Hindi Murli Quiz 28-05-2015

Q.1) **Q. “मीठे बच्चे” अपने आपको देखो मैं फूल बना हूँ, ------------------में आकर कांटा तो नहीं बनता हूँ? बाप आया है तुम्हें कांटे से फूल बनाने"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें]

A. देह-अहंकार
B. रावण-राज्य
C. तमोगुणी- वातावरण
D. विकारों के प्रभाव

Q.2) **Q.शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ----**

	Choice	Match
A	अभी हम कांटे रूपी मनुष्य से फूल रूपी देवता बनने आये हैं।	यह हमारा एम ऑब्जेक्ट है।
B	देह-अभिमान बहुत कड़ा अभिमान है।	अपने को आत्मा समझें तो बाप के साथ भी बहुत प्यार रहेगा ।
C	कुमारी है तो माँ-बाप आदि सब माथा टेकते हैं क्योंकि पवित्र है।	अपवित्र बनी और सबके आगे माथा टेकना शुरू कर देती।
D	मनुष्यों को शिवालय का पता ही नहीं है।	स्वर्ग को कहा जाता है शिवालय,क्योंकि शिवबाबा ने स्वर्ग की स्थापना की।
E	तुम्हारी आश है कि हम स्वर्ग में जायें।	तुम कहते भी थे कि कृष्ण जैसा बच्चा मिले।

Q.3) **Q.आज कि मुरली अनुसार निम्नलिखित पैरा सच है अथवा झूठ --स्पष्ट करें ।**
"अपने से पूछना है-मैं फूल बना हूँ? कहाँ देह-अहंकार में आकर कांटा तो नहीं बनता हूँ? मनुष्य अपने को आत्मा समझने के बदले देह समझ लेते हैं। आत्मा को भूलने से बाप को भी भूल गये हैं। बाप को बाप द्वारा ही जानने से बाप का वर्सा मिलता है।"

A. सच
B. झूठ

Q.4) **Q.शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	बाप को याद करने से ही पाप कटते हैं ।	फिर तुमको लाइट का ताज मिल जाता है।
B	सतयुग में देह-अभिमान नहीं रहता, इतना समझते हैं हम आत्मा हैं बस ।	बाकी परमात्मा बाप को नहीं जानते।
C	अभी आत्मा और शरीर दोनों पतित हैं।	आत्मा पवित्र हो जायेगी तो फिर यह शरीर छूट जायेगा।
D	मीरा ध्यान में खेलती थी, उनको ज्ञान नहीं था ।	मीरा कोई वैकुण्ठ में गई नहीं,यहाँ ही कहीं होगी।

Q.5) **Q.सभी सही वाक्यों का ही चयन करें ---**

- A. ☑ तुम बैकुण्ठ के मालिक बन सकते हो, अगर ज्ञान-योग सीखेंगे तो।
- B. ☑ यह चक्र फिरता रहेगा,यह बना- बनाया ड्रामा है। जैसे मच्छर उड़ा, तो कल्प बाद भी उड़ेगा।
- C. ☑ बाप का बना और वर्सा तुम्हारा,मगर तुमको बाप की याद से पावन जरूर बनना है।
- D. ☐ सवेरे उठकर अपने से बातें करनी हैं कि हम अशरीरी आये, अशरीरी जाना है। फिर देहधारियों को याद क्यों न करें।
- E. ☑ बाप को याद करने की आदत पड़ जायेगी, तो खुशी में बैठे रहेंगे और शरीर का भान टूटता जायेगा।

Explanation: हम अशरीरी आये, अशरीरी जाना है। फिर कोई भी देहधारी को हम याद क्यों करें।

Q.6) **Q. आज कि मुरली अनुसार निम्नलिखित पैरा सच है अथवा झूठ --स्पष्ट करें।**
"आत्मा अपने बाप को याद करती है।बाबा आप तो स्वर्ग की स्थापना करने वाले हो, हम आपके बच्चे हैं। हम तो स्वर्ग में होने चाहिए। फिर नर्क में क्यों पड़े हैं। बाप समझाते हैं तुम स्वर्ग में थे, 84 जन्म लेते-लेते तुम सब भूल गये हो। अब फिर मेरी मत पर चलो। बाप की याद से ही विकर्म विनाश होंगे क्योंकि आत्मा में ही खाद पड़ती है। शरीर आत्मा का जेवर है। आत्मा पवित्र तो शरीर भी पवित्र मिलता है।"

- A. ◉ सच
- B. ○ झूठ

Q.7) **Q. धारणा पर आधारित इस एक्सरसाइज में केवल सही वाक्यों का चयन करें –**

- A. ☑ सवेरे अमृतवेले उठकर बाप से मीठी-मीठी बातें करनी है।
- B. ☑ अशरीरी बनने का अभ्यास करना है।
- C. ☐ चिन्ता नहीं करो यदि बाप की याद के सिवाए दूसरा कुछ भी याद आये।
- D. ☑ अपनी दृष्टि बहुत शुद्ध पवित्र बनानी है।
- E. ☑ फूल बनने का पूरा पुरूषार्थ करना है। कांटा नहीं बनना है।

Explanation: ध्यान रहे - बाप की याद के सिवाए दूसरा कुछ भी याद न आये।

Q.8) **Q.आज कि मुरली अनुसार निम्नलिखित पैरा सच है अथवा झूठ-स्पष्ट करें ---**
"आत्मा अपने माशूक को आधाकल्प से याद करती आई है। अब वह माशूक आया हुआ है। कहते हैं तुम काम चिता पर बैठ काले बन गये हो। अभी हम सुन्दर बनाने आये हैं। उसके लिए यह योग अग्नि है। ज्ञान को चिता नहीं कहेंगे। योग की चिता है। याद की चिता पर बैठने से विकर्म विनाश होंगे। ज्ञान को तो नॉलेज कहा जाता है।"

- A. ◉ सच
- B. ○ झूठ

Q.9) **Q.वरदान पर आधारित केवल सही वाक्यों का ही चयन करें :---**

- A. ☑ यह मरजीवा दिव्य जन्म कर्मबन्धनी जन्म नहीं, यह कर्मयोगी जन्म है।
- B. ☐ इस अलौकिक दिव्य जन्म में ब्राहमण आत्मा परतन्त्र है न कि स्वतन्त्र।
- C. ☑ यह देह लोन में मिली हुई है, सारे विश्व की सेवा के लिए।
- D. ☑ पुराने शरीरों में बाप शक्ति भरकर चला रहे हैं, जिम्मेवारी बाप की है, न कि आप की।
- E. ☑ चलाने वाला चला रहा है। इसी विशेष धारणा से कर्मबन्धनों को समाप्त कर कर्मयोगी बनो।

Explanation: इस अलौकिक दिव्य जन्म में ब्राहमण आत्मा स्वतन्त्र है न कि परतन्त्र।

Q.10) **Q."समय की समीपता का फाउन्डेशन है---------------------I"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें]

- A. ◉ बेहद की वैराग्य वृत्ति,
- B. ○ बापसमान बनना
- C. ○ कर्मातीत स्थिति
- D. ○ पवित्रता